B.Com. (Hons)
P2 – A/CS (H)
Paper – III BRF

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

UNIT – I

TOPIC :- Difference between Pledge and Bailment

गिरवी तथा निक्षेप में अंतर.

Sec. 172 के अनुसार, "जब किसी माल का निक्षेप किसी ऋण अथवा वचन के पालन के लिए प्रतिभूति के रूप में किया जाता है, तो उसे गिरवी कहा जाता है." गिरवी का अनुबंध एक विशेष प्रकार का निक्षेप अनुबंध होता है.

Sec. 148 के अनुसार, " जब एक व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को किसी उद्देश्य से उस संविदा पर माल सुपुर्द करता है कि किसी उद्देश्य के पूरा हो जाने पर माल की सुपुर्दगी देने वाले को माल वापस लौटा दिया जाएगा या उसके निर्देशानुसार माल की व्यवस्था कर दी जाएगी तो उसे निक्षेप कहा जाता है."

उपरोक्त अधिनियम के अनुसार दी गई परिभाषा से यह स्पष्ट होता है कि निक्षेप एवं गिरवी [redacted] के बीच [redacted] कुछ महत्वपूर्ण कारणों से अंतर पाया जाता है. जो निम्नलिखित हैं —

आधार	गिरवी	निक्षेप
1. अर्थ	किसी ऋण की भुगतान या वचन को पालन की जमानत देने के उद्देश्य से माल की सुपुर्दगी गिरवी कहलाती है.	जबकि निक्षेप की स्थिति में ऐसा कोई प्रयोजन नहीं होता है.

Scanned with CamSc

आधार	गिरवी	निक्षेप
2. उद्देश्य	इसका उद्देश्य ऋण के भुगतान या वचन के निष्पादन का सिक्योरिटी दिलाना होता है.	जबकि इसका उद्देश्य दोनों पक्षकारों या किसी एक के उद्देश्यों को पूरा करना होता है.
3. उपभोग का अधिकार.	इसके अंतर्गत जमानत के रूप में रखी गई वस्तुओं के उपभोग का अधिकार नहीं होता है.	जबकि यह अनुबंध प्रायः वस्तुओं का उपभोग किये जाने के लिए ही होता है.
4. जमानत के रूप में माल	इसके अंतर्गत ऋण के भुगतान अथवा वचन के निष्पादन के लिए जमानत के रूप में माल को रखा जाता है.	जबकि इसमें जमानत के रूप में कोई भी माल नहीं रखा जाता है.
5. विक्रय अधिकार.	इस स्थिति में, निश्चित किसी पर कर्ज का भुगतान न करने पर उसे उचित सूचना देकर गिरवीग्राही रखे गये माल को बेचने का अधिकारी हो जाता है.	जबकि इसमें निक्षेप-ग्रहिता को निक्षिप्त माल को बेचने का कोई अधिकार नहीं होता है.
6. प्रतिफल	इसमें संविदा के लिए प्रतिफल का होना आवश्यक होता है.	जबकि इसमें प्रतिफल हो भी सकता है और नहीं भी. जैसे- निःशुल्क निक्षेप में प्रतिफल नहीं होता है.

Scanned with CamSc

आधार	गिरवी	निक्षेप
7. माल की सुपुर्दगी	इस अनुबंध में माल की सुपुर्दगी बाद में भी की जा सकती है।	जबकि इसमें माल का निक्षेप किये बिना निक्षेप का अनुबंध नहीं हो सकता है।
8. अनुबंध की समाप्ति	इस अनुबंध का समापन ऋण चुकाने अथवा वचन का पूरा हो जाने के बाद हो जाता है।	जबकि इसमें निश्चित अवधि या निश्चित उद्देश्य का पूरा होने व माल लौटाने के साथ ही अनुबंध का समापन हो जाता है।

04.05.2020

Scanned with CamSc